

असाधारण

EXTRAORDINARY

भारा II—सवह 3—उपसवह (ii)

PART II—Section 3—Sub-section (ii)

प्राधिकार से प्रकाशित

PUBLISHED BY AUTHORITY

4°o 29]

नई विल्ली, शनिवार, जनवरी 22, 1977/माध 2, 1898

No. 29]

NEW DELHI, SATURDAY, JANUARY 22, 1977/MAGHA 2, 1898

इन्ह भाग में भिनन पुष्ट संख्या दी जाती हैं जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में रखा जा सकी।

Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation

MINISTRY OF INDUSTRY

(Department of Industrial Development)

NOTIFICATION

New Delhi, the 22nd January 1977

S.O. 38(E).—In exercise of the powers conferred by sub-section (1) of section 29B of the Industries (Development and Regulation) Act, 1951 (65 of 1951), the Central Government hereby makes the following amendment in the notification of the Government of India in the late Ministry of Industry and Civil Supplies (Department of Industrial Development) No SO 474(E)/IDRA/29B/75 dated the 5th September, 1975, namely:—

In the said notification, paragraph 2 shall be renumbered as paragraph 3, and before the paragraph as so renumbered, the following paragraph shall be inserted, namely:—

"2 The above expansion would be in addition to the normal permissible expansion in production by 25 per cent of the approved capacity."

[No 12(21)/LP/75]

D K SAXENA, Jt Secy.

उद्योग मंत्रालय

(ग्रीबोगिक विकास विभाग)

ग्र**धिसूचना**

नई दिल्ली, 22 जनवरी, 1977

का॰ आ॰ 38(प).—केन्द्रीय सरकार, उद्योग (विकास ग्रौर विनियमन) ग्रिधिनियम, 1951 (1951 का 65) की धारा 29 ख की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शिक्तयों का प्रयोग करते हुए, भारत सरकार के भृतपूर्व उद्योग ग्रौर नागरिक पूर्ति मत्रालय (ग्रौद्योगिक विकास विभाग) की ग्रिधसूचना सं॰ का॰ ग्रा॰ 474 (श्रसा॰), ग्राई डी ग्रार ए/29ख 75, तारीख, 5 सितम्बर, 1975 में निम्नलिखित संशोधन करती है, जर्चात :—

उक्त प्रक्षिसूचना में, पैरा 2 को पैरा 3 के रूप मे पुनसंख्यांकित किया जाएगा ग्रीर इस प्रकार पुनसंख्यांकित पैरा के पूर्व निम्नलिखित पैरा भन्तः स्थापित किया जाएगा, भर्षात —

"2. उपरोक्त विस्तार मनुमोदित क्षमता के 25 प्रतिमत तक उत्पादन में प्रसामान्य मनुभेय विस्तार के भ्रतिरिक्त होगा ।

[स॰ 12(21)/ल॰ प॰ 75]

डी० के० सन्सेना, सयुक्त स्किव ।